**दिनांक: 22 अगस्त 2023**

# आयुष क्षेत्र का आर्थिक मूल्य

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "आयुष क्षेत्र का आर्थिक मूल्य" शामिल है। संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के अर्थव्यवस्था खंड में "आयुष क्षेत्र का आर्थिक मूल्य" **विषय की** प्रासंगिकता है।

***प्रीलिम्स के लिए:***

- *आयुष क्षेत्र के बारे में?*

***मुख्य परीक्षा के लिए:***

*जीएस 3: अर्थव्यवस्था*

- *आयुष क्षेत्र का विकास?*
- *आयुष से जुड़ी योजनाएं?*
- *डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन?*

**सुर्खियों में क्यों: –**

- **हाल ही में आयुष मंत्रालय के अनुसार**-आयुष (AYUSH)-आयुर्वेद, **योग और प्राकृतिक** चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी- जिसे संक्षिप्त नाम **आयुष से जाना जाता है इस क्षेत्र में दवाओं और पूरक** दवाओं के उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है, जो 2014 **में सिर्फ** 3 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2020 में 18 बिलियन डॉलर हो गया है, और 2023 में 24 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है।
- इस आशाजनक परिदृश्य के बीच, आयुष क्षेत्र आगामी विश्व स्वास्थ्य संगठन (**डब्ल्यूएच**ओ) वैश्विक पारंपरिक **चिकित्सा शिखर सम्मेलन में एक प्रमुख** भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

**प्रमुख बिन्दु-**

**आयुष क्षेत्र–**

- 9 नवंबर 2014,**आयुष मंत्रालय का गठन चिकित्सा की पारंपरिक भारतीय प्रणालियों के गहन** ज्ञान को पुनर्जीवित **करने और स्वास्थ्य के आयुष प्रणालियों के इष्टतम विकास और प्रसार को सुनिश्चित करने** की दृष्टि से किया गया। इससे पहले, भारतीय चिकित्सा **पद्धति** और होम्योपैथी विभाग (ISM&H) का गठन 1995 **में** किया गया , जो सभी **पद्यतियों के विकास के लिए काम करती है।**
- आयुर्वेद, **योग और प्राकृतिक चिकित्सा**, यूनानी, **सिद्ध और होम्योपैथी के क्षेत्रों में शिक्षा और अनुसंधान पर ध्यान** केंद्रित करने के साथ इसका नाम बदलकर नवंबर 2003 में आयुर्वेद, **योग और प्राकृतिक चिकित्सा**, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) **विभाग के रूप में किया गया था।**
- **आयुष क्षेत्र भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की आधारशिला है, जो देश की संस्कृति में गहराई से** अंतर्निहित चिकित्सा प्रथाओं की **समृद्ध विरासत को दर्शाता है। ये प्रणालियां सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य देखभाल विकल्पों की एक विविध श्रृंखला प्रदान करती हैं, जो महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के रूप में कार्य करती हैं। आयुष क्षेत्र का आर्थिक मूल्य बढ़ रहा है,** जो आबादी के एक महत्वपूर्ण **हिस्से को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करता** है।

**आयुष के अंतर्गत विविध विषय-**

आयुष क्षेत्र में कई विषय शामिल हैं, **जिनमें से प्रत्येक का समग्र स्वास्थ्य और उपचार के लिए अपना विशिष्ट दृष्टिकोण** है।-

- **आयुर्वेद:** एक प्राचीन प्रणाली जो जीवन और प्राकृतिक उपचार के लिए संतुलित दृष्टिकोण के माध्यम से समग्र कल्याण पर जोर देती है।
- **योग:** योग एक समग्र अभ्यास है जो साँस लेने के व्यायाम, ध्यान और अन्य साँस लेने की तकनीकों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वयं को एकजुट करता है।
- **प्राकृतिक चिकित्सा:** एक प्राकृतिक उपचार अभ्यास जो शरीर की अंतर्निहित उपचार क्षमताओं को प्रोत्साहित करने के लिए पानी, हवा, सूरज की रोशनी और आहार जैसे तत्वों का उपयोग करता है।
- **यूनानी:** शारीरिक हास्य के संतुलन के आधार पर, यूनानी चिकित्सा संतुलन को बहाल करने के लिए हर्बल दवाओं और चिकित्सीय तकनीकों का उपयोग करती है।
- **सिद्ध:** पारंपरिक तमिल चिकित्सा पर आधारित, सिद्ध शरीर के पांच अंगों और पांच तत्वों के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व पर जोर देता है।
- **होम्योपैथी:** होम्योपैथी की विशेषता अत्यधिक पतले पदार्थों के उपयोग के माध्यम से शरीर की स्वयं की उपचार प्रक्रियाओं को शामिल करना है।

## आयुष क्षेत्र का विकास

### वित्तीय वृद्धि:-

- हाल के वर्षों में आयुष दवाओं और पूरक आहार के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इसका राजस्व 2014 में 3 बिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2020 में 18 बिलियन अमरीकी डालर हो गया है।
- 2023 तक 24 बिलियन अमरीकी डालर की प्रत्याशित वृद्धि इसके पर्याप्त वित्तीय प्रभाव को रेखांकित करती है।

### स्वास्थ्य देखभाल में एकीकरण:-

- आयुष आधारित स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों ने महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया प्राप्त की है। वर्तमान में, लगभग 7,000 परिचालन केंद्र हैं, जो 2022 तक लगभग 8.42 करोड़ रोगियों को सेवाएं प्रदान करते हैं।
- आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में इस क्षेत्र का एकीकरण बढ़ रहा है, जो समकालीन चिकित्सा पद्धतियों में इसकी प्रासंगिकता को दर्शाता है।

### आयुष से जुड़ी योजनाएं-

- आयुष क्षेत्र के विकास और पहुंच को बढ़ाने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं:

| पहल | विवरण |
|---|---|
| **राष्ट्रीय आयुष मिशन** | विभिन्न रणनीतिक पहलों के माध्यम से आयुष स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम। |
| **आयुष उद्यमिता कार्यक्रम** | यह पहल आयुष क्षेत्र के भीतर नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए। |
| **आयुष वेलनेस सेंटर** | निवारक और उपचारात्मक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करते हुए समग्र स्वास्थ्य और कल्याण सेवाओं की पेशकश करने के लिए स्थापित केंद्र। |
| **एसीसीआर पोर्टल (निरंतरता और सुदृढीकरण के लिए आयुष केंद्रों का आकलन) और आयुष संजीवनी ऐप** | स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता और निगरानी में सुधार के लिए डिज़ाइन किए गए डिजिटल उपकरण। |

### आयुष क्षमता:-

- **एक बहुआयामी दृष्टिकोण:** आयुष स्वास्थ्य सेवाओं की एक एकीकृत और विविध प्रणाली है जो भारत की स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।
- **"नए भारत" के दृष्टिकोण को साकार करना:** उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा सेवाएं प्रदान करके और कल्याण को बढ़ावा देकर, आयुष "नए भारत के" दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

Yojna IAS योजना है तो सफलता है yojnaias.com

- **डॉक्टरों की कमी को संबोधित करना:** डॉक्टरों की कमी को संबोधित करना: प्रति लाख आबादी पर केवल 80 डॉक्टरों के साथ, आयुष गंभीर चिकित्सा पेशेवरों की कमी का समाधान प्रदान करता है, जिससे स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच बढ़ती है।
- **चिकित्सा बहुलवाद:** आयुष एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त है क्योंकि यह निवारक और उपचारात्मक दोनों पहलुओं पर जोर देता है, जो स्वास्थ्य देखभाल की बदलती प्रकृति के अनुरूप है।
- **चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देना:** भारत चिकित्सा पर्यटन का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है, जो आयुष और वैकल्पिक चिकित्सा की बढ़ती स्वीकार्यता के कारण दुनिया भर से स्वास्थ्य चाहने वालों को आकर्षित करता है।

## डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन:-

**अवलोकन:**

- शिखर सम्मेलन विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और हितधारकों को पारंपरिक चिकित्सा के भविष्य को आकार देने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- भारत के गुजरात के गांधीनगर में, पहला WHO पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह शिखर सम्मेलन डब्ल्यूएचओ और भारत सरकार के बीच एक सहयोगी प्रयास है, जिसमें भारत 2023 में जी 20 की अध्यक्षता करेगा।
- शिखर सम्मेलन में 90 से अधिक देशों की भागीदारी है। यह वैश्विक स्वास्थ्य सेवा समुदाय के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले विविध हितधारकों की एक सभा के रूप में कार्य करता है।

## उद्देश्य और फोकस क्षेत्र-

**WHO वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन कई उद्देश्यों को पूरा करता है:-**

- **सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना:** इस आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं, साक्ष्य, डेटा और नवाचारों को साझा करने की सुविधा प्रदान करना है।
- **स्वास्थ्य और विकास में भूमिका:** चर्चा स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और सतत विकास में योगदान देने में पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका के आसपास केंद्रित होगी।

**स्रोत: –इंडियन एक्स्प्रेस**

## प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

**प्रश्न-01– डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन कहाँ आयोजित होने वाला है?**

1. दिल्ली
2. अहमदाबाद
3. गांधीनगर
4. मुंबई

**उत्तर: 3**

**प्रश्न-०२ राष्ट्रीय आयुष मिशन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. यह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक मिशन है
2. इसका उद्देश्य चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियों के बारे में जागरूकता पैदा करने तक सीमित है।
3. आयुष के तहत प्राकृतिक चिकित्सा को चिकित्सा पद्धति नहीं माना जाता है।

**उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?**

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(ग) उपरोक्त में कोई नहीं।
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

**उत्तर: D**

**मुख्य परीक्षा प्रश्न-**

**प्रश्न-०३- भारत की स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था में विभिन्न आयुष विषयों और समग्र कल्याण में उनकी भूमिका का उल्लेख करें। वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों और अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव की एवं आयुष क्षेत्र के महत्व की चर्चा कीजिए।**

**Rajiv Pandey**

# ब्रिक्स का विस्तार

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "ब्रिक्स का विस्तार" शामिल है। संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थान में "ब्रिक्स का विस्तार" विषय की प्रासंगिकता है।

***प्रीलिम्स के लिए:***

- ब्रिक्स समूह

***मुख्य परीक्षा के लिए:***

- सामान्य अध्ययन-02: महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थान।
- ब्रिक्स समूह और उससे जुड़े पहलू।

**सुर्खियों में क्यों?**

- हाल ही में, ब्रिक्स का संभावित विस्तार इसकी प्रकृति और दायरे पर आंतरिक विवादों का विषय रहा है। वर्तमान में ब्रिक्स एक वैश्विक व्यवस्था में कूटनीतिक तौर से बेहद महत्वपूर्ण समूह हैं। इसको देखते हुए दुनिया के कई देश ब्रिक्स का सदस्य बनने की इच्छा रखते हैं।

**प्रमुख बिन्दु-**

**ब्रिक्स विस्तार के बारे में-**

- कई सरकारों ने ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, साउथ अफ्रीका और चीन) मंच में शामिल होने में अपनी रुचि व्यक्त की है।
- कथित तौर पर कुल 30 देश ब्रिक्स में शामिल होने में रुचि रखते हैं, जबकि छह अतिरिक्त देश सक्रिय रूप से सदस्यता के लिए प्रयास कर रहे हैं। इनमें कजाकिस्तान, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अर्जेंटीना शामिल हैं। ये सभी देश ब्रिक्स में शामिल होने के बहुत इच्छुक हैं।
- **चीन का पश्चिम-विरोधी रुझान:** ब्रिक्स मंच को स्पष्ट रूप से पश्चिम-विरोधी रुझान देने के लक्ष्य के साथ, चीन संगठन के तेजी से विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

**विस्तार के पीछे तर्क-**

- **आर्थिक ताकत:** समूह के पांच सदस्यों की आर्थिक ताकत उतनी आशाजनक नहीं है जितनी 2009 में मंच की पहली बार घोषणा के समय थी।
  - हालांकि वैश्विक अर्थव्यवस्था का लगभग 30% और दुनिया की लगभग 43% आबादी होने के बावजूद, ब्रिक्स देशों में कुछ आर्थिक कमजोरियाँ हैं।
- **वैश्विक चुनौतियां:** रूस वैश्विक अर्थव्यवस्था में हाशिए पर जा रहा है, जबकि चीन एक कठिन आर्थिक माहौल का सामना कर रहा है क्योंकि पश्चिम इसके खिलाफ हो रहा है।
- **चीन का पश्चिम-विरोधी रुझान:** ब्रिक्स मंच को स्पष्ट रूप से पश्चिम-विरोधी रुझान देने के लक्ष्य के साथ, चीन संगठन के तेजी से विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

**विस्तार की चुनौतियां-**

- **आम सहमति का अभाव:** मंच का विस्तार करने के चीन के प्रयास का भारत और ब्राजील द्वारा विरोध किया जा रहा है।
  - भारत चाहता है कि पहले उन सिद्धांतों का स्पष्ट चित्रण होना चाहिए जो विस्तार की प्रक्रिया को परिभाषित कर सकें।

- परिणामस्वरूप, एक विस्तारित समूह के मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं के संबंध में पांच सदस्यों के बीच सहमति की कमी है।
- **ऋण देने की धीमी गति:** न्यू डेवलपमेंट बैंक या "ब्रिक्स बैंक" ने संस्थापक सदस्य रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के कारण ऋण देने की अपनी पहले से ही सुस्त गति को और बाधित देखा है।
- **उद्देश्य और सामंजस्य की कमी:** एक बड़े समूह को वैश्विक राजनीति में एक नया उद्देश्य निकालना होगा
- यह सामंजस्य की कमी के साथ और भी अधिक संघर्ष करेगा, कुछ ऐसा जो ब्रिक्स के एक छोटे समूह ने भी अपनी स्थापना के बाद से संघर्ष किया है।

**आगे का रास्ता-**

- चीन के लिए अपने एजेंडे को एकतरफा आगे बढ़ाना चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि यह मंच सर्वसम्मति से संचालित होता है।
- अपने रणनीतिक मतभेदों के बावजूद, ब्रिक्स सदस्य विस्तार करने से पहले अभी भी बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं, विशेष रूप से अधिक हितधारकों को शामिल करके न्यू डेवलपमेंट बैंक को मजबूत करके और ब्रिक्स मुद्रा के विचार पर अधिक गंभीरता से विचार करके बढ़ावा दिया जा सकता हैं।

**ब्रिक्स क्या हैं?**

- **सदस्य:** सदस्यों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं, जो पांच सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं।
- **मूल:** यह शब्द 2001 में **ब्रिटिश अर्थशास्त्री जिम ओ'नील द्वारा गढ़ा गया था,** जो दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करता है।
- शुरुवात में इसमें चार देशों (**ब्रिक**) जिनमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन शामिल थे। साल 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के मौके पर विदेश मंत्रियों की एक वार्षिक बैठक की व्यवस्था की थी। बैठक की सफलता के कारण ब्रिक के तत्वावधान में एक वार्षिक शिखर सम्मेलन का निर्माण हुआ।
- 2010 में दक्षिण अफ्रीका को समूह में शामिल किए जाने के बाद, संक्षिप्त नाम BRIC को हटा दिया गया और इसके स्थान पर BRICS शब्द को अपनाया गया।
- **शिखर सम्मेलन:** ब्रिक्स देशों की सरकारों के लिए 2009 से हर साल एक औपचारिक शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाता रहा है।
- **भारत** ने **2021 में** 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की डिजिटल मेजबानी की थी।
- **ब्रिक्स** एक महत्वपूर्ण समूह है जो दुनिया की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है, जिसमें शामिल हैं:
- दुनिया की आबादी का 41 प्रतिशत।
- विश्व सकल घरेलू उत्पाद का 24 फीसदी।
- विश्व व्यापार में 16% से अधिक हिस्सेदारी।
- विश्व की कुल भूमि सतह का 29.3% का कुल संयुक्त क्षेत्रफल
- **समय के साथ,** ब्रिक्स देश निम्नलिखित तीन स्तंभों के **तहत महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आए हैं**: **–**
- राजनीतिक और सुरक्षा,
- आर्थिक और वित्तीय और
- सांस्कृतिक और लोगों के बीच आदान-प्रदान।
- **न्यू डेवलपमेंट बैंक:** न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) उभरते बाजारों और विकासशील देशों (ईएमडीसी) में बुनियादी ढांचे और सतत विकास परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने के उद्देश्य से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) द्वारा स्थापित एक बहुपक्षीय विकास बैंक है।
- बैंक ऋण, गारंटी, इक्विटी भागीदारी और अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से सार्वजनिक या निजी परियोजनाओं का समर्थन करेगा।

**स्रोत: इकोनामिक्स टाइम्स**

**प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-**

**प्रश्न-01– ब्रिक्स के विस्तार में कौन से देश सक्रिय रूप से इस समहू में शामिल होना चाहते है?**

1. फ्रांस
2. पाकिस्तान
3. ईरान
4. कनाडा

उत्तर: 3

**प्रश्न-०२ ब्रिक्स के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

1. ब्रिक्स शब्द 2001 में ब्रिटिश अर्थशास्त्री जिम ओ'नील द्वारा गढ़ा गया था।
2. भारत ने 2021 में 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की डिजिटल मेजबानी की थी।
3. 2015 में दक्षिण अफ्रीका को समूह में शामिल किए जाने के बाद इसका नाम ब्रिक्स पड़ा।

**उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?**

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(C) उपरोक्त में कोई नहीं।
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

**उत्तर: B**

**मुख्य परीक्षा प्रश्न-**

**प्रश्न-०३- ब्रिक्स मंच को स्पष्ट रूप से पश्चिम-विरोधी रुझान देने के लक्ष्य के साथ, चीन संगठन के तेजी से विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, विश्लेषण कीजिए।**

**Rajiv Pandey**

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com